सोमवार
17 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 4
कपड़ों की ऑनलाइन खरीदारी के समय इन पांच बातों का रखें ध्यान

पृष्ठ 5
अली अब्बास की फिल्म में फिर दिखेंगे सलमान खान

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 248
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कविता गाकर रिझाने के लिए नहीं समझ कर खो जाने के लिए है।
– रामधारी सिंह दिनकर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उत्कृष्ट राज्य बनाने पर सीएम ने राजदूतों से मांगे सुझाव

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में विभिन्न देशों में कार्यरत भारत के सात राजदूतों ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं राजदूतों के मध्य विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य के वन डिस्ट्रिक्ट टू प्रोडक्ट को विभिन्न देशों में बढ़ावा देने के लिए राजदूतों से सहयोग लिया जाएगा। उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों की लोगों को विभिन्न देशों में जानकारी हो इसके लिए और प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने कहा की उत्तराखंड में पर्यटन, उद्योग,हार्टिकल्चर के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। इनको बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

●सीएम आवास में 7 देशों के राजदूतों के साथ की बैठक
●धामी बोले पर्यटन, हार्टिकल्चर व कृषि में अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने सभी राजदूतों से कहा कि जिन देशों में वे कार्य कर रहे हैं, उन देशों की बेस्ट प्रैक्टिस की जानकारी उत्तराखण्ड शासन के अधिकारियों को दी जाय। मुख्यमंत्री ने शासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आज और कल राजदूतों के साथ विभिन्न विषयों पर होने वाली बैठकों में जो भी सुझाव प्राप्त होते हैं, उनका पूरा डॉक्यूमेंटेशन किया जाय। उत्तराखंड को उत्कृष्ट उत्तराखण्ड बनाने के लिए इन सुझावों को अमल में लाकर कार्ययोजना बनाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर एवं

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

नेता जी की अस्थियां गंगा में विसर्जित

❑अखिलेश के साथ पूरा परिवार पहुंचा हरिद्वार
❑नमामि गंगे घाट पर विधिवत किया अस्थि विसर्जन

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और संरक्षक मुलायम सिंह की अस्थियां लेकर आज उनका पूरा परिवार सैफई से यहां पहुंचा (चंडी घाट) नमामि गंगे घाट पर विधिवत कर्मकांड पूजा के साथ उनकी अस्थियों को गंगा में विसर्जित कर दिया गया।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह का अभी बीते दिनों लंबी बीमारी के बाद मेंदाता अस्पताल गुड़गांव में निधन हो गया था। उनका पार्थिव शरीर परिजनों द्वारा उनके पैतृक गांव सैफई ले जाया गया था जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया था। उनके पुत्र अखिलेश यादव आज 3 चार्टर प्लेन के जरिए अपने पूरे परिवार के साथ नेताजी का अस्थि कलश लेकर जौली ग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। जहां से सड़क मार्ग से उनका काफिला हरिद्वार चंडीघाट पहुंचा।

गंग नहर की सफाई के तहत पानी रोके जाने के कारण वीआईपी घाट पर पानी की कमी के कारण उनके अस्थि विसर्जन का कार्यक्रम नमामि गंगे घाट

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पुलिस पर फायरिंग करने वाला बदमाश सीसी कैमरे में कैद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। लक्सर में पुलिस पर फायरिंग करने वाले बदमाशों में से एक सीसी कैमरे में कैद हुआ है। बदमाश का फोटो जारी करते हुए पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अगर किसी को उसकी जानकारी हो तो वह पुलिस को सूचित करे।

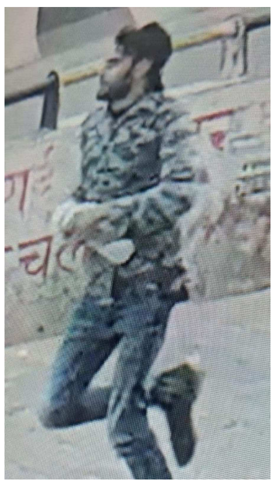

बता दें कि बीती शाम लगभग साढ़े पांच बजे लक्सर कोतवाली की कस्बा चौकी में तैनात सिपाही पंचम प्रकाश और राजेन्द्र सिंह को गश्त के दौरान बाइक सवार बदमाशों द्वारा गोली मार दी गयी थी। बदमाशों की गोली लगने से दोनो सिपाही घायल हो गये थे। पुलिस के अनुसार भागते समय बदमाशों में से एक की फोटो सीसी कैमरे में कैद हो गयी है। हरिद्वार पुलिस ने इसे फेसबुक पेज पर अपलोड करते हुए आम जन से अपील की है कि यदि इस सम्बन्ध में किसी को भी जानकारी हो तो उन्हे सूचित करे।

दिल्ली महिला आयोग अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के घर पर हमला

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के घर सोमवार अज्ञात हमलावरों ने हमला किया। स्वाति मालिवाल ने एक ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कुछ देर पहले मेरे घर पर कोई हमलावर घुस आया और उसने हमला किया। स्वाति ने बताया कि इसकी उन्होंने दिल्ली पुलिस से शिकायत की है। स्वाति ने बताय कि हमले में उनकी और उनकी मां की गाड़ी के शीशे टूट गए हैं। उन्होंने गाड़ी की टूटे हुए शीशों के साथ तस्वीरें साझा भी की हैं। उन्होंने बताया कि मेरी मेरी माँ की गाड़ी बुरी तरह से तोड़ दी और घर में घुसने की कोशिश की। बकौल स्वाति मालीवाल, शुक्र है मैं और मेरी माँ दोनो घर पे नहीं थे, वरना पता नहीं क्या होता! कुछ भी कर लो, मैं

डरूंगी नहीं। ट्वीट में उन्होंने दिल्ली पुलिस को भी टैग किया है और लिखा कि मैं दिल्ली पुलिस से शिकायत कर रही हूं।

गौरतलब है कि हाल ही में स्वाति मालीवाल ने कहा था कि उन्हें रेप की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा था कि निर्देशक साजिद खान को बिग बॉस शो से बाहर निकालने को लेकर अनुराग ठाकुर को खत लिखने के बाद से उन्हें रेप की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने इस बाबत तब कई ट्वीट किए थे।

उन्होंने लिखा था कि एक और महिला ने कहा था मीटू कैंपेन में 10 महिलाओं ने निर्देशक व बिग बॉस प्रतियोगी साजिद खान के खिलाफ गंभीर यौन शोषण के आरोप लगाए थे। उनमें से कुछ ने कहा था कि हासफुल-4 फिल्म के ऑडिशन के दौरान जब वे नाबालिग थी साजिद खान ने उनसे कहा था कि अपने पूरे कपड़े उतार दें। एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा था कि एक और महिला ने कहा था कि हमशकल फिल्म के ऑडिशन के दौरान कपड़े उतारने को कहा गया। मालीवाल ने बताया कि साजिद खान को शो से बाहर निकालने को लेकर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा था, मैंने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर से शिकायत की थी कि उन्हें बिग बॉस शो से निकाला जाए। जिसके बाद मुझे रेप की धमकियां मिल रही हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

शिक्षा में बदलाव के प्रयास

अब हिंदी माध्यम से पढ़ाई लिखाई करने वाले छात्र-छात्राएं भी अब डॉक्टर और इंजीनियर बन सकेंगे। यह समाचार देश के हिंदी भाषी राज्यों के युवाओं को पढ़कर या देखकर निश्चित ही अत्यंत सुखद लग रहा होगा। सही मायने में यह पहल किसी चमत्कार से कम नहीं कही जा सकती है। सरकार का तर्क है कि वह इस पहल के जरिए मातृभाषा हिंदी को एक उचित सम्मान दिलाने का काम कर रही है। बीते कल गृह मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की तीन पाठ्यक्रम पुस्तकों के हिंदी वर्जन का विमोचन किया। इन पुस्तकों में जिसमें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायो केमिस्ट्री शामिल है, का अनुवाद 97 डॉक्टरों की टीम द्वारा कठोर परिश्रम के बाद किया गया है। सवाल यह है कि डॉक्टर की पढ़ाई करने के लिए साइंस की जिन बायोलॉजी और केमिस्ट्री की किताबों को छात्र-छात्राएं एमएससी और बीएससी की क्लासों में पढ़ते हैं क्या उन्हें भी अब यह किताबें हिंदी में पढ़ाई जाया करेंगी या फिर उन्हें इन किताबों को अंग्रेजी में ही पढ़ना पड़ेगा और बीएससी व एमएससी में फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी अंग्रेजी में पढ़ो फिर एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में करो। जो छात्र अंग्रेजी माध्यम से एमएससी, बीएससी कर रहे हैं या कर सकते हैं उनके लिए एमबीबीएस अंग्रेजी में करने में क्या दिक्कत हो सकती है। अच्छा होता कि पहले कॉलेज की शिक्षा को हिंदी माध्यम में भी लाया जाता। एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि मेडिकल साइंस में विश्व स्तर पर जो भी शोध होते हैं इन शोध कार्यो की रिपोर्ट अंग्रेजी में ही छपती है। क्या सरकार द्वारा इन शोध पत्रों को भी हिंदी में अनुवादित कराया जाएगा? अगर नहीं कराया जाएगा तो हिंदी पढ़ कर एमबीबीएस डॉक्टर बनने वालों को इनका क्या फायदा होगा और मेडिकल क्षेत्र में होने वाले नए प्रयोगों और तकनीक की जानकारी न होने पर यह डॉक्टर नीम हकीम बनकर नहीं रह जाएंगे। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह कहना बहुत आसान है कि अब हिंदी पढ़ने वाले या यूं कहें कि जिन्हें अंग्रेजी नहीं आती वह भी डॉक्टर और इंजीनियर बन सकेंगे बहुत आसान बात है और उनके पाठ्यक्रम पुस्तकों का हिंदी अनुवाद भी मुश्किल नहीं है लेकिन इसे व्यवहारिक रूप से धरातल पर उतारना उतना ही मुश्किल भी है। यूपी सरकार ने इंजीनियरिंग की पुस्तकों का भी अनुवाद हिंदी में करा लिया है। उत्तराखंड की सरकार द्वारा कल सूबे में उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय नीति लागू कर दी गई है यहां प्रारंभिक शिक्षा में 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर दी गई है लेकिन सरकार सूबे में अब तक कितनी बाल वाटिकाएं और इनके लिए ट्रेंड शिक्षकों की व्यवस्था कर पाई है? यह एक अहम और बड़ा सवाल है। जब बेसिक स्कूलों की शिक्षा और शिक्षकों की बात होती है तो वहां अंधेरा ही नजर आता है। जिसके कारण लोग पब्लिक स्कूलों की तरफ दौड़ रहे हैं शिक्षा में सुधार एक बड़ी जरूरत है जिसे न तो एक दिन में किया जा सकता है न एक प्रयास से संभव है। इसके लिए दीर्घकालीन योजना और भागीरथी प्रयासों की जरूरत है।

मन्दिर से दानपात्र चोरी करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मन्दिर से दानपात्र चोरी करने वाले को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमनपुर सेलाकुई स्थित राधाकृष्ण मन्दिर के अध्यक्ष हिमांशु गुप्ता ने सेलाकुई थाना पुलिस को सूचना दी कि आज प्रात: जब वह मन्दिर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मन्दिर का दानपात्र गायब था। पुलिस ने घटना को गम्भीरता से लेते हुए आसपास चोर की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मन्दिर के पास ही झाडियों से निकलकर एक व्यक्ति को भागते हुए देखा तो उसको रूकने के लिए आवाज लगायी लेकिन वह तेजी से भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी करने के उपकरण बरामद कर लिये। सख्ती से पूछताछ करने पर पुलिस ने उसकी निशानदेही पर पास की झाडियों से मन्दिर का दानपात्र बरामद कर लिया जिसमें एक हजार 618 रूपये पडे थे। पूछताछ में उसने अपना नाम जाविद पुत्र निजामुददीन निवासी घिसरपडी मेहूंवाला बताया।

यत्ते दिवो दुहितर्मर्तभोजनं तद्रास्व भुनजामहै।

(ऋग्वेद ७-८१-५)

हे उषा की ज्योति ! हमें ऐसी चमत्कारी संपत्ति प्रदान करो जिससे अज्ञान का नाश हो और हमारा सम्मान बढे।

हे स्वर्ग की पुत्री ! हमें हर वह भोजन प्रदान करो जो नश्वर मनुष्य के लिए उपयुक्त हो।

O light of Usha ! Grant us such miraculous wealth, which destroys ignorance and increases our respect.

O daughter of heaven ! Provide us with every food that is suitable for the mortal people of this world.

(Rig Veda 7-81-5)

विधानसभा अध्यक्ष ने जनसुनवायी हेतु किया कैम्प कार्यालय का उद्घाटन

संवाददाता

कोटद्वार। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने जनता की समस्याओं की सुनवायी के लिए कैम्प कार्यालय का उद्घाटन किया।

आज यहां कोटद्वार में मालगोदाम रोड स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने अपने कैंप कार्यालय का विधिवत हवन यज्ञ के साथ शुभारंभ किया। क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से विधानसभा अध्यक्ष कोटद्वार में कैंप कार्यालय का शुभारंभ किया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा अर्चना एवं हवन यज्ञ किया गया। पीडब्ल्यूडी के गेस्ट हाउस में कैंप कार्यालय स्थापित किया गया है जहां पर विधानसभा अध्यक्ष एवं मौजूद स्टाफ द्वारा क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुना जायेगा। इसके साथ ही कार्यालय से जनपद स्तरीय सभी विभागों के साथ सामंजस्य रख कर विकास कार्यों को गति मिलेगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह जब भी क्षेत्र में मौजूद रहेंगी इस कैंप कार्यालय से ही दैनिक कार्यों को संचालित करेंगी इसके अलावा उनका स्टाफ प्रतिदिन क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को सुनेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सड़क, बिजली, पानी उनकी पहली प्राथमिकता है। क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हो इसके लिए वह हर संभव प्रयासरत भी हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार जनता के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं। जनता उन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन स्तर को सुधार सकती है। पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ हर हाल में मिलना चाहिए। वह लगातार विभिन्न विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र के विकास के लिए नई योजनाओं के सृजन के लिए प्रयासरत हैं। इस अवसर पर चंद्रमोहन जसोला, गोविंद लड्ढा, उमेश त्रिपाठी, राजगौरव नौटियाल, मनीष आर्य, राकेश मित्तल, मनोज कुंडलिया, सौरभ नौडियाल, बृजपाल, अनिल बहुगुणा, कुलदीप अग्रवाल, विजय लखेडा, कमल नेगी, मनीष भट्ट, जयदेव नौटियाल, मीना बेंजवाल, प्रीति कुलाश्री, संगीता सुंदरियाल, रजनी बिष्ट, लक्ष्मी नेगी, आशा ध्यानी, उर्वशी अग्रवाल, रानी नेगी, अनीता आर्य, भानूश्वरी, अर्चना शर्मा, मंजू जख्मोला, सुनीता कोटनाला, शशि नैनवाल, आशा कोठारी, मालती बिष्ट, आशा डबराल, गायत्री भट्ट, मुन्नी काला, लक्ष्मी डोबरियाल, अनीता गौड़, कसम पटवाल, पूनम खंतवाल, पूजा शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेंशन से की गई एकमुश्त कटौती को उच्च न्यायालय के आदेशों की अवमानना बताया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के सेवानिवृत्त अधिकारियों, कार्मिकों के पैंशनर संगठनों के प्रतिनिधियों ने परेड ग्राउंड के पास स्थित उज्जवल रेस्टोरेंट में आयोजित बैठक में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा पेंशनरों की पेंशन से की गई एकमुश्त कटौती को उच्च न्यायालय नैनीताल के आदेशों की अवमानना बताया और इस कार्यवाही की भर्त्सना की।

पैंशनरस की अक्टूबर माह की पेंशन से एक ही झटके मे पिछले 10 माह की एक साथ कटौती को, पैशनरस के संवेधानिक अधिकारों के विरुद्ध बताते हुए प्राधिकरण की योजना में सहमति का विकल्प, ना देने वाले, पेंशनरों से की गई एकमुश्त कटौती को शीघ्र वापस देने की मांग भी की गई। पेंशनर संगठनों ने संयुक्त रूप से इस संबंध में मुख्यमंत्री ध ामी से मिलने तथा विरोध प्रदर्शन का भी फैसला किया। वक्ताओं ने कहा यदि शीघ्र ही कटौती वापस नहीं की गई तो पेंशनर माननीय उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने को मजबूर होंगे। बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा करते हुए पेंशनर संगठनों के प्रतिनिधियों की संयुक्त समन्वय समिति के गठन का भी निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र सिंह नयाल तथा संचालन सुशील त्यागी ने किया।

बैठक में गवर्नमेंट पेंशनर वेलफेयर संगठन, सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर संगठन, राजकीय पेंशनर परिषद, उत्तराखंड पेयजल निगम पैशनरस संगठन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिनमें चौधरी ओमवीर सिंह, दीप चंद शर्मा, गणपत सिंह बिष्ट, गिरीश चन्द्र भट्ट,दिनेश जोशी, राजेंद्र सिंह नयाल, चौधरी तारा सिंह, सुभाष चंद्र शर्मा, चौधरी चंद्रपाल सिंह, तेज वर्धन भटनागर,दिनेश भंडारी, आर पी एस रावत, शिव प्रसाद नौटियाल, मनमोहन सिंह भंडारी आदि शामिल थे।

श्रद्धा पूर्वक मनाई गई कतक महीने की संग्राद

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार देहरादून के तत्वावधान में कतक महीने की संग्राद कथा -कीर्तन के रूप में श्रद्धा पूर्वक मनाई गई।

प्रात: नितनेम के पश्चात हजूरी रागी भाई कँवरपाल सिंह जी ने आसा दी वार का शब्द कतक कर्म कमावने दोष न काहू जोग, परमेश्वर ते भूलिया व्यापन सभे रोग का गायन किया एवं गुप्त प्रेमी द्वारा रखे गये श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग डाले गये।

हेड ग्रंथी ज्ञानी शमशेर सिंह जी ने महीने की कथा करते हुए कहा कि श्री गुरु अर्जन देव जी समझाते हैँ कि कतक के महीने में इन्सान जो कर्म बीजता है वो उसको आप भोगना पड़ता है, जो जीव परमात्मा को भूल जातें हैँ उनको हर प्रकार के रोग लग जातें हैँ एवं परमात्मा से बेमुख होकर कई जन्मों के बिछोड़े सहने पड़ते हैं।

भाई कँवरपाल सिंह जी ने शब्द तेरा थान सुहावा रूप सुहावा, तेरे भगत सोहे हरद्वारे एवं कर कीरपा अपना दरश दीजे, जस गावो निस हर भोर का गायन कर संगत को निहाल किया स कार्यक्रम के पश्चात संगत ने लंगर प्रशाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर प्रधान गुरबक्श सिंह राजन, महासचिव गुलजार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमिंदर सिंह छाबड़ा, चरणजीत सिंह चन्नी, सुरजीत सिंह, मंजीत सिंह, सतनाम सिंह, दविंदर सिंह भशीन राजिंदर सिंह राजा, दविंदर सिंह सहदेव,जसवंत सिंह स्पल,विजयपाल सिंह , सेवा सिंह मठारु आदि उपस्थित थे।

दांतों की समस्या बढ़ा सकती है लीवर कैंसर का खतरा, करें ऐसे उपाय

अक्सर हम दांतों की समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर इसे लंबे समय तक छोड़ दिया जाए तो यह कैंसर जैसी घातक समस्या को भी जन्म दे सकता है। दांतों में गंदगी की समस्या आमतौर पर साफ-सफाई का ध्यान न रखने के कारण होती है। हम ठीक से ब्रश नहीं करते और दांतों के बीच में जब गंदगी फंस जाती है तो हम उस पर ध्यान नहीं देते। इससे सड़ांध पैदा होती है और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह कहा गया है कि मसूड़ों से खून बहने, मुंह के छालों और दांतों की सड़न की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों में हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा का खतरा 75 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। हेपेटोकेल्युलर कार्सिनोमा यकृत कैंसर का सबसे आम रूप है। कैंसर रिसर्च के आंकड़ों के मुताबिक, यूके में हर साल लिवर कैंसर के 6200 नए मामले सामने आते हैं। आंकड़ों के अनुसार, लीवर कैंसर से होने वाली मौतों का 8वां सबसे आम कारण लीवर कैंसर है। एक अध्ययन के अनुसार क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट के शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में 4,69,628 प्रतिभागियों के डेटा का विश्लेषण किया। इन लोगों में ऐसे लोग शामिल थे जिन्हें मुंह के छालों, मसूड़ों में दर्द, मसूड़ों से खून आना, दांत टूटना आदि की शिकायत थी। शोधकर्ताओं ने कई वर्षों तक उनके मौखिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया।

अध्ययन के अंत में, यह पाया गया कि इनमें से 4069 में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर विकसित हुआ। इन कैंसर के मामलों में, 531 (13 प्रतिशत) प्रतिभागियों ने किसी न किसी रूप में खराब मौखिक स्वास्थ्य की सूचना दी। क्वीन्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ हेइडी जोर्डो ने कहा कि अतीत में, कई प्रकार की पुरानी बीमारियां, हृदय रोग, स्ट्रोक और मधुमेह खराब मौखिक स्वास्थ्य से जुड़े थे, लेकिन पहली बार यह पाया गया है कि यकृत कैंसर खराब होने के कारण भी हो सकता है। दंतो का स्वास्थ्य। शायद।

दांतों की नियमित सफाई करें। जानकारों के मुताबिक रात को सोते समय ब्रश जरूर करना चाहिए। जब दांतों में ज्यादा गंदगी हो तो बेकिंग सोडा में नींबू का रस मिलाकर इससे दांत साफ करें। इसके अलावा पीले दांतों को साफ करने के लिए सरसों के तेल में नमक मिलाकर दांतों पर मलें। इससे दांत के अंदर फंसे बैक्टीरिया मर जाएंगे। घरेलू नुस्खों के बावजूद अगर दांतों में किसी भी तरह का दर्द हो या मसूड़ों से खून बह रहा हो तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

कुछ ही मिनटों में बनाएं पत्तेदार धनिये के ये व्यंजन, आसान हैं रेसिपी

पत्तेदार धनिया एक प्रकार का हर्ब है, जिसकी खुशबू और सेवन कई तरह के स्वास्थ्य संबंधित लाभ देने में सक्षम हैं। यही वजह है कि कई व्यंजनों को बनाते समय पत्तेदार धनिये का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अतिरिक्त, त्वचा के देखभाल के लिए भी इसका इस्तेमाल होता है। अगर आपको पत्तेदार धनिया पसंद है तो आइए आज हम आपको इससे बनाए जाने वाले पांच व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप घर पर मिनटों में तैयार कर सकते हैं।

नींबू और धनिये का सूप

यह सूप विटामिन- सी समेत कई आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले हरी मिर्च और लहसुन को तेल में भूनें, फिर इसमें कटा हुआ प्याज डालकर भूनें। इसके बाद इसमें पत्ता गोभी और गाजर डालकर एक मिनट तक भूनें, फिर इसमें वेजिटेबल स्टॉक, नमक, नींबू का रस और कॉर्नफ्लोर वाला पानी मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए दो-तीन मिनट तक पकाएं। अंत में गर्मागर्म सूप पर बारीक कटा हरा धनिया गर्निश करके परोसें।

धनिये वाला उपमा

सबसे पहले गर्म तेल में उड़द की दाल और राई को भूनें, फिर इसमें करी पत्ता, हींग और प्याज भूनेंइसके बाद इसमें सूखी भुनी सूजी और नमक डालकर भूनें। इसी बीच मिक्सी में पत्तेदार धनिया, थोड़ी चीनी, हरी मिर्च, जीरा, नमक और नींबू का रस डालकर धनिये की चटनी तैयार करें। इसके बाद सूजी के मिश्रण में धनिये की चटनी और गर्म पानी डालकर इसे एक-दो मिनट पकाएं। अंत में उपमा पर पत्तेदार धनिया गार्निश करके इसे परोसें।

धनिये वाले चावल

इसे बनाने के लिए सबसे पहले गर्म तेल में काली मिर्च, दालचीनी, इलायची, प्याज और लौंग को भूनें, फिर इसमें चावल डालें और तीन मिनट तक भूनें। अब इसमें गर्म पानी और नमक मिलाएं और तीन मिनट तक प्रैशर कुक करें। इसके बाद पके चावल को एक बर्तन में निकाल लें और इसके ऊपर कटा हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाएं, फिर इसे गर्मागर्म परोसें। धनिये वाले चावल का आनंद दाल और अचार के साथ लिया जा सकता है।

कॉर्न और धनिये के पकोड़े

सबसे पहले एक कटोरे में मैदा, चावल का आटा, बेकिंग पाउडर, अंडे, हरी मिर्च, कटा पत्तेदार धनिया, हरा प्याज और आधा कॉर्न मिलाएं। अब इसमें काली मिर्च और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद मिश्रण के बड़े चम्मच लें और उन्हें हर तरफ एक-दो मिनट के लिए तेल में तलकर एक प्लेट में निकालें। इसके बाद इसमें पत्तेदार धनिया, जैतून का तेल और एवोकाडो मिलाएं, फिर इसे परोसें।

भुखमरी सूचकांक में भारत 107वें स्थान पर पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश हमसे बेहतर

नई दिल्ली। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2022 में भारत छह पायदान नीचे खिसककर 121 देशों में से 107वें स्थान पर आ गया है। भारत को युद्धग्रस्त अफगानिस्तान को छोड़कर सभी दक्षिण एशियाई देशों से पीछे रखा गया है। पड़ोसी देश पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार को क्रमश: 99, 64, 84, 81 और 71वां स्थान दिया गया है। ये सभी देश भारत से ऊपर हैं। पांच से कम स्कोर के साथ 17 देशों को सामूहिक रूप से 1 और 17 के बीच स्थान दिया गया है। इंडेक्स में भारत को 29.1 स्कोर दिया गया है जिसे ग्लोबल हंगर इंडेक्स - यूरोपियन एनजीओ कंसर्न वर्ल्डवाइड और वेल्थुंगरहिल्फ के प्रकाशकों ने गंभीर करार दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संकेतकों के लिए इस्तेमाल किए गए डेटा को यूनिसेफ, विश्व बैंक, खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) सहित विभिन्न संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय एजेंसियों से प्राप्त किया गया है।

साल 2021 में भारत 116 देशों की सूची में 101 स्थान पर था लेकिन इस बार 121 देशों की लिस्ट में भारत छह अंक लुढ़ककर 107वें नंबर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही भारत का जीएचआई स्कोर भी गिर गया है - 2000 में यह 38.8 था जो 2014 और 2022 के बीच 28.2 - 29.1 के बीच पहुंच गया है। किसी भी देश का हंगर स्कोर इन चार घटक संकेतकों के मूल्यों पर आधारित होते हैं - अल्पपोषण, बाल स्टंटिंग, बाल बर्बादी, बाल मृत्यु दर। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत से नीचे के देश हैं- जाम्बिया, अफगानिस्तान, तिमोर-लेस्ते, गिनी-बिसाऊ, सिएरा लियोन, लेसोथो, लाइबेरिया, नाइजर, हैती, चाड, डेम। कांगो के प्रतिनिधि, मेडागास्कर, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, यमन। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिनी, मोजाम्बिक, युगांडा, जिम्बाब्वे, बुरुंडी, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सीरिया सहित 15 देशों के लिए रैंक का निर्धारण नहीं किया जा सकता है।

हैरी पॉटर के हैग्रिड रॉब्बी कोलट्रेन ने दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली। हॉलीवुड एक्टर रॉब्बी कोलट्रेन ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। रॉब्बी के निधन की खबर सुन ना सिर्फ हॉलीवुड इंडस्ट्री बल्कि विश्वभर लोग दुख जता रहे है। 72 साल के रॉब्बी पिछले दो सालों से स्वास्थ्य समास्याओं से जूझ रहे थे। एक्टर की मौत की खबर सुन सोशल मीडिया पर शोक की लहर छा गई है। सोशल मीडिया पर लोग एक्टर को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। रॉब्बी ने ऐसे तो कई फिल्मों में काम किया है लेकिन फैंस उन्हें हैरी पॉटर के हैग्रिड के रुप में सबसे ज्यादा पसंद करते है। हॉलीवुड के दिग्गज और आइकॉनिक एक्टर रॉब्बी कोलट्रेन ने 72 साल की उम्र में दुमिया को अलविदा कह दिया है। रॉब्बी ने कल रात अपने जीवन की अंतिम सासें ली है। एक्टर की निधन से पूरे एंटरटेनमेंट दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई है। सोशल मीडिया पर हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड के तमाम एक्टर रॉब्बी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। यूं तो रॉब्बी ने कई फिल्मों में काम किया है। लेकिन हैरी पॉटर में हैग्रिड के किरदार से वो लोगों के बीच काफी मशहूर है। उनके इस आइकॉनिक रोल के लिए फैंस ही नहीं बल्कि क्रटिक्स ने भी जमकर तारीफ की थी। फिल्म रिलीज होने के बाद आज भी लोगों के दिलों में रॉब्बी की पहचान हैग्रिड से ही है। सोशल मीडिया पर एक्टर को श्रद्धांजलि देते हुए सबने एक्टर के इस किरदार की फोटोज-वीडियोज को शेयर किया है। हैरी पॉटर के अलावा रॉब्बी ने जेम्स बांड (गोल्डन आई), नेशनल ट्रेस्योर और टीवी शो क्रैकर में अपनी एक्टिंग की मिशाल पेश की है।

ट्वीटर पर एक्टर कल रात से ही ट्रेंड कर रहे हैं। लोग अपने-अपने तरीके से उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। कोई उन्हें लीजेंड बताते हुए उनके आत्मा की शांति की दुआ कर रहा है तो किसी ने लिखा कि ष्आपके बिना कोई हॉगवर्ट्स नहीं है, हैग्रिड।

दुनिया का सबसे खतरनाक देश है पाकिस्तानः जो बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान को दुनिया का सबसे खतरनाक देश करार दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि, परमाणु बम रखने वाला पाकिस्तान इस दुनिया का सबसे खतरनाक देश है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैम्पेन कमिटी रिसेप्शन में बोलते हुए कहा कि, श्मुझे लगता है कि, शायद दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक पाकिस्तान है। जिसके पास बिना किसी सामंजस्य के परमाणु हथियार है। बाइडेन ने कहा कि, अभी बहुत कुछ दुनिया में चल रहा है, लेकिन हमारे सामने एक बड़ी संभावना भी है, कि हम 21वीं सदी के दूसरे क्वार्टर में बहुत कुछ बदलाव भी ला सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का ये बयान काफी अहम इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान एक बार फिर से अमेरिका के साथ अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहा है और अमेरिका ने पिछले महीने पाकिस्तान को 450 मिलियन डॉलर की राशि एफ-16 फाइटर जेट्स की मरम्मत के लिए दिए हैं। वहीं, राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार बाइडेन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से मुलाकात भी की है, लेकिन बाइडेन के इस खतरनाक बयान पर पाकिस्तान का तिलमिलाना तय माना जा रहा है। पाकिस्तान में परमाणु बम की सुरक्षा को लेकर हमेशा से सवाल उठाए जाते रहे हैं और चूंकी कट्टरपंथी जमातें अकसर पाकिस्तान की सरकारों पर हावी हो जाती हैं, लिहाजा अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने हमेशा से ये मांग की है, कि पाकिस्तान के परमाणु बमों को जब्त कर लिया जाए। पिछले साल अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से पाकिस्तान और भी ज्यादा असुरक्षित हो गया है।

कुछ व्यावहारिक सवाल हैं

सरकार के लिए हिंदी में एमबीबीएस महज प्रचार का मुद्दा नहीं है, तो उसे समान शिक्षा और समान स्वास्थ्य सुविधा की नीति भी अपनानी चाहिए। वरना, आशंका है कि हिंदी माध्यम से पढ़ कर निकले डॉक्टरों की असल छवि कंपाउंडर जैसी बनी रह जाए।

गृह मंत्री अमित शाह ने एलान किया है कि अगले महीने से देश के 16 अटल विश्वविद्यालय हिंदी में एमसबीबीएस की पढ़ाई शुरू कर देंगे। पहली बात यह स्पष्ट कर लेने की है कि ऐसा करने में कोई सैद्धांतिक बाधा नहीं है। रूस लेकर चीन और जर्मनी से लेकर फ्रांस जैसे दुनिया के अनेक देशों में मेडिकल-इंजीनियरिंग की शिक्षा वहां की अपनी मातृषाभा में दी जाती है, तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि ये पढ़ाई हिंदी या तमिल, बांग्ला या मलयालम में ना हो सके। लेकिन यह भी अवश्य स्पष्ट कर लिया जाना चाहिए कि उन देशों में पढ़ाई-लिखाई का मुख्य माध्यम और सर्वश्रेष्ठ विकल्प आरंभ से ही मातृभाषा होती है। ऐसे में पढ़ने और पढ़ कर निकलने वाले छात्रों को अवसर की किसी असमानता का सामना नहीं करना पड़ता। भारत में आरंभ से आज तक अंग्रेजी और देसी भाषा के माध्यमों के बीच अवसर, महत्त्व और संभावनाओं की खाई न सिर्फ बनी हुई है, बल्कि चौड़ी होती गई है। इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार ने इस परिघटना को पलटने की कोशिश की हो। ऐसे हिंदी माध्यम से डॉक्टरी करके निकले छात्रों और करोड़ों की फीस देकर प्राइवेट कॉलेजों से निकले छात्रों के बीच अवसर और महत्त्व की समानता वह कैसे सुनिश्चित करेगी, इसे उसे अवश्य स्पष्ट करना चाहिए।

दरअसल, ऐसे प्रयोग सफल होने की एक अनिवार्य शर्त यह है कि स्वास्थ्य क्षेत्र की आज की प्राथमिकताओं में आमूल परिवर्तन किया जाए और सार्वजनिक क्षेत्र को इसमें सर्व-प्रमुख भूमिका दी जाए। तभी मातृभाषा में पढ़ाई करने वाले डॉक्टरों को नौकरी और कर्त्तव्य निर्वाह के उचित अवसर मिल सकेंगे। वरना, आज की संस्कृति के बीच प्राइवेट अस्पताल और नर्सिंग होम उन्हें खुल कर गले लगाएंगे, इसकी संभावना बेहद कम है। इसलिए अगर सरकार के लिए हिंदी में एमबीबीएस महज प्रचार पाने का एक मुद्दा नहीं है, तो उसे समान शिक्षा और समान स्वास्थ्य सुविधा की नीति भी अपनानी चाहिए। वरना, इस आशंका में दम है कि हिंदी माध्यम से पढ़ कर निकले डॉक्टरों की असल छवि कंपाउंडर जैसी बन जाए और आम लोगों का अंग्रेजीदां डॉक्टरों पर ही असल भरोसा बना रहे।(आरएनएस)

थरूर को कौन वोट करेगा ?

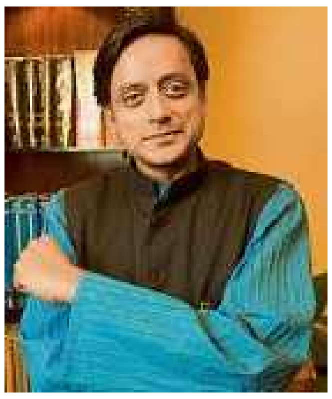

कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ रहे शशि थरूर को मीडिया में खूब समर्थन मिल रहा है। अंग्रेजी पत्रकारों के वे वैसे भी चहेते रहे हैं इसलिए पत्रकार खुल कर उनके समर्थन में रहे हैं। जिन पत्रकारों को कांग्रेस पार्टी फूटी आंख पसंद नहीं है उनको भी अचानक कांग्रेस की चिंता हो गई है और उनको लगने लगा है कि कांग्रेस को बचाने के लिए शशि थरूर का जीतना जरूरी है। कई राज्यों में, जहां थरूर गए हैं वहां उनको अच्छा खासा समर्थन भी मिला है। पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। वैसे भी कांग्रेस के चुनाव प्राधिकार की ओर से सभी प्रदेश कमेटियों को लिखा गया है कि वे अध्यक्ष पद के दोनों दावेदारों के प्रति समान बरताव करेंगे और किसी के साथ पक्षपात नहीं किया जाएगा। इस तरह कांग्रेस बड़ी शिद्दत से चुनाव को स्वतंत्र व निष्पक्ष दिखाने का प्रयास कर रही है।

पर सवाल है कि डॉक्टर शशि थरूर को कौन वोट करेगा? मीडिया के लोग चाहे उनका जितना समर्थन करें, उनके बारे में चाहे जितने लेख लिखे जाएं और हवाईअड्डों पर उनका चाहे जितना स्वागत हो, उनको वोट कौन करेगा? वोट तो कांग्रेस के नौ हजार डेलिगेट्स को करना है। उनमें से कितने लोग थरूर के साथ हैं? क्या अपने गृह राज्य केरल में कांग्रेस के डेलिगेट्स का वोट थरूर को मिलेगा? इसका संभावना नहीं के बराबर है। हर राज्य में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को पार्टी आलाकमान की इच्छा का पता है। वे जानते हैं कि मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार हैं। इसलिए हर प्रदेश कमेटी को खड़गे के लिए वोट डलवाना है। इसलिए थरूर के प्रति तमाम यूफोरिया बनाने के बावजूद अंग्रेजी के पत्रकार लोग या कांग्रेस छोड़ कर गए संजय झा जैसे पूर्व प्रवक्ता थरूर के लिए वोट का जुगाड़ नहीं कर पाएंगे। अंतिम तौर पर थरूर दो-तीन सौ वोट हासिल करने की स्थिति में होंगे।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कपड़ों की ऑनलाइन खरीदारी के समय इन पांच बातों का रखें ध्यान

कपड़ों की ऑनलाइन शॉपिंग के कई फायदे हैं। इसमें आपको मनचाही कीमतों पर कपड़ों की बड़ी रेंज मिलने के साथ आपका कीमती समय भी बचाता है। इसी तरह आपके पसंदीदा स्टोर उंगलियों पर होते हैं और डिस्काउंट के साथ कई ऑफर भी मिलते हैं। हालांकि, कई बार इससे जुड़ी कुछ परेशानियां भी आती है, लेकिन चिंता की बात नही हैं। आज हम पांच ऐसी बातें बताएंगे, जिनकी मदद से आप ऑनलाइन शॉपिंग में होने वाली परेशानियों से बच सकते हैं।

अपनी माप का ध्यान रखना है जरूरी

जब आप स्टोर में जाकर कपड़ो की खरीदारी करते हैं तो आपके पास ड्रेसिंग रूम में जाकर उन्हें ट्राई करने का विकल्प होता है, लेकिन ऑनलाइन शॉपिंग में ऐसा संभव नहीं है। वहीं, ऑनलाइन शॉपिंग में सबसे बड़ी परेशानी माप को लेकर होती है, क्योंकि हर एक ब्रांड के कपड़ो का माप अलग होता है। इसलिए ऑनलाइन कोई भी आउटफिट खरीदते समय उसके माप पर खास ध्यान दें और अपनी फिटिंग के अनुसार ही ख्रीदारी करें।

रिव्यू पढ़कर करें निर्णय

अममून वेबसाइट पर दिखाई जाने वाली तस्वीरों से उनमें मौजूद खामियों का पता लगाना मुश्किल होता है। जबकि, इन दिनों कुछ ऑनलाइन कपड़ों में कुछ न कुछ खराबी सामने आ रही है। ऐसे में जरूरी है कि आप जो भी कपड़े खरीदने का मन बना रहे हैं उससे जुड़े रिव्यू जरूर पढ़ लें। इससे आप कपड़े की सही स्थिति जान पाएंगे और ब्लैक मार्केटिंग से भी बच सकेंगे।

सही फैब्रिक का चयन करें

कपड़े की ऑनलाइन खरीदारी करते समय उनके फैब्रिक पर ध्यान देना बेहद जरूरी है, क्योंकि इसका फैब्रिक उनकी शेल्फ लाइफ ही नहीं बल्कि लुक पर भी प्रभाव डालता है। अगर आप कपड़े के जरिए खुद को खास अवसरों पर अलग लुक देना चाहते हैं तो ऐसे में साटन, जेकक्वार्ड और वेलवेट का विकल्प चुन सकते हैं। वहीं, अगर आप एक लॉन्ग लास्टिंग कपड़े की तलाश में हैं तो आपके लिए सिल्क, पॉलिएस्टर और कॉटन विकल्प बेहतर होगा।

फिल्टर्स की मदद से खरीदारी करना होगा आसान

आजकल ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स पर विभिन्न आउटफिट कैटेगेरी के साथ-साथ फिलटर्स भी उपलब्ध होते हैं। इनकी मदद से आपके लिए अपनी पसंद और जरूरत अनुसार कपड़े खरीदना आसान हो सकता है। इन फिल्टर्स में साइज, रंग, ब्रांड, कीमत, डिस्काउंट, रेटिंग और डिलीवरी टाइम के साथ कई विकल्प मिलते हैं। इन चीजों को सलेक्ट करने से आपके लिए ऑनलाइन कपड़े खरीदना बहुत आसान हो जाएगा।

रिटर्न पॉलिसी पर भी ध्यान देना है जरूरी

कई बार लोग ऑनलाइन कपड़े खरीद तो लेते हैं, लेकिन जब वह उनके हाथ में आते हैं तो यह महसूस होता है कि यह वैसा नहीं है, जैसे कि उन्होंने सोचा था। ऐसे में अगर किसी कपड़े पर नो रिटर्न पॉलिसी होगी तो आपके पैसे यूं ही बर्बाद हो जाएंगे। इसलिए रिटर्न पॉलिसी के साथ-साथ एक्सचेंज और डिलीवरी टाइम आदि चीजें भी जरूर देखें। इससे आपको अच्छे कपड़े मिलने के साथ पैसे बर्बाद होने का खतरा भी कम हो जाएगा।

मोनालिसा ने फिर ंदिखाया अपने हुस्न का जलवा

भोजपुरी और टीवी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस मोनालिसा की हॉटनेस और कातिलाना अंदाज किसी को भी अपना दीवाना बना ले। वहीं, एक्ट्रेस अपनी सादगी या फिर बोल्डनेस से फैंस के दिलों पर बिजलियां गिरा ही देती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस आहें भर रहे हैं। मोनालिसा ने ब्लैक ब्रा और ऊपर से ओपन लूज शर्ट कैरी कर रखी हैं। इस आउटफिट में एक्ट्रेस बेहद ही बोल्ड नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस मोनालिसा इस आउटफिट में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। साथ ही कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों पर छुरियां चला रही हैं।

टीवी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी स्टनिंग लुक्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। अंतरा बिश्वास उर्फ मोनालिसा का जन्म कोलकाता में हुआ। लेकिन, मोनालिसा को असली पहचान भोजपुरी इंडस्ट्री से मिली। ओपन हेयर और नो मेकअप लुक से एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। मोनालिसा अक्सर सोशल मीडिया पर अपने हॉट सिजलिंग फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं। मोनालिसा की ये तस्वीरें देखकर फैन्स ने कई कॉमेंट किए है, कोई उन्हें बिना मेकअप खूबसूरत बता रहा है तो कोई उनके पोज देखकर आहें भर रहा है।

शब्द सामर्थ्य -002

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

1		2			3	4	5	■
	■		■	■	6			■
7			8	■	■	■	■	9
	■	■	10		11	■	12	
13	14			■	15	16	■	
■		■	■	■	17			
18		19	■	20	■		■	■
	■	21			■	22		23
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 01 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

फोटोशूट के लिए माहिरा शर्मा ने पहनी इतनी छोटी ड्रेस, चलाया हुस्न का जादू

एक्ट्रेस माहिरा शर्मा बिग बॉस 13 का हिस्सा बनने के बाद से ही लगातार सुर्खियों में हैं. उन्होंने बेशक इस शो का खिताब न जीता हो, लेकिन इस शो के कारण माहिरा को खूब पॉपुलैरिटी मिली. इसी शो ने उन्हें घर-घर में एक खास पहचान दिलाई है. ऐसे में वह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं. फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं. माहिरा भी इस मामले में कभी अपने चाहने वालों को निराश नहीं करतीं. वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. लगभग हर दिन वह फैंस के साथ कुछ न कुछ शेयर करती ही रहती हैं. अब फिर से एक्ट्रेस ने अपना सिजलिंग अंदाज दिखाया है.

माहिरा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं. इस लुक में वह इतनी बोल्ड लग रही हैं कि उन पर से लोगों के लिए नजरें हटाना मुश्किल हो गया है. फोटोज में माहिरा ग्रीन कलर की शॉर्ट और बैकलेस ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं. लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होने लाइट मेकअप किया है और बालों को खुला छोड़ा है. इसके साथ माहिरा ने हाई हील्स पेयर की हैं. यहां वह टेबल पर बेबाकी के साथ अलग-अलग अदाएं दिखा रही हैं. इस लुक में एक्ट्रेस बेहद हॉट लग रही हैं. कुछ मिनटों में इन फोटोज पर हजारों लाइक्स आ चुके हैं. फैंस उनकी तारीफें करते नहीं थक रहे हैं. गौरतलब है कि माहिरा शर्मा कई टीवी शोज का हिस्सा रह चुकी हैं. इसके अलावा वह बहुत सी म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं. (आरएनएस)

ड्रामा सीरीज आशिकाना में करणवीर बोहरा निभाएंगे बैड बॉय की भूमिका

लोकप्रिय टीवी अभिनेता करणवीर बोहरा, जिन्होंने जस्ट मोहब्बत, शरारत और कसौटी जिंदगी की जैसे शो में काम किया है, ड्रामा सीरीज आशिकाना के दूसरे सीजन में एक बार फिर एक बैड बॉय की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। करणवीर आशिकाना में एक स्टाइलिश सीरियल किलर की भूमिकाएंगे। यह सीरीज 10 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित हुई। अपनी भूमिका और शूटिंग के अपने अनुभव के बारे में विस्तार से बताते हुए, अभिनेता ने कहा, आशिकाना में मेरा किरदार बहुत ही विचित्र और शैलीबद्ध है। मैं एक सीरियल किलर की भूमिका निभा रहा हूं, लेकिन उसके साथ एक मजाकिया पक्ष है। श्रृंखला के निर्देशक गुल खान एक चरित्र को शैलीबद्ध करना जानते हैं। कलाकार जैन और खुशी से मिलकर अच्छा लगा।आशिकाना डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हिंदी भाषा की रोमांस ड्रामा सीरीज है, जिसका निर्देशन गुल खान ने किया है।

11 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी अल्लारी नरेश की इट्लू मारेदुमिली प्रजानीकम

टॉलीवुड स्टार अल्लारी नरेश की अगली फिल्म नवंबर में रिलीज होगी। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की। इट्लू मारेदुमिली प्रजानीकम 11 नवंबर को दुनियाभर में रिलीज होगी। अनाउंसमेंट पोस्टर में नरेश अपने साथियों और पुलिस अधिकारियों के साथ आदिवासी इलाके में घूमते हुए दिख रहे हैं। इट्लू मारेदुमिली प्रजानीकम का निर्देशन ए.आर. मोहन ने किया है, फिल्म फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में हैं। टीजर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद फिल्म ने खूब चर्चा बटोरी है। फिल्म की कहानी का अनावरण करने वाले वीडियो ने अल्लारी नरेश को एक सरकारी अधिकारी के रूप में एक गहन चरित्र में प्रस्तुत किया, जिसे आदिवासी क्षेत्र- मेरेदुमुल्ली में चुनावी ड्यूटी पर भेजा जाता है, जहां उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हस्या मूवीज के राजेश डंडा, जी स्टूडियो के सहयोग से फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। आनंदी फिल्म की प्रमुख महिला हैं, जबकि वेनेला किशोर, प्रवीण और संपत राज महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। बालाजी गुट्टा फिल्म के सह-निर्माता हैं, जिसमें श्रीचरण पकाला ने संगीत दिया है, जबकि राम रेड्डी ने छायांकन को संभाला है। अब्बूरी रवि ने संवाद लिखे हैं। ब्रह्मा कदली कला निर्देशक हैं और छोटा के. प्रसाद संपादक हैं।

श्वेता शर्मा पर चढ़ा बोल्डनेस का खुमार, सिजलिंग अदाओं से बढ़ाया इंटरनेट का पारा

भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस श्वेता शर्मा के हुस्न के लाखों दीवाने हैं. वह जब भी नए लुक में अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो इंटरनेट का पारा अचानक से गरम हो जाता हैं. श्वेता शर्मा ने अब लेटेस्ट फोटोशूट करवाया है, तस्वीरों में श्वेता ब्लू बिकिनी पहने हुए हैं. श्वेता शर्मा की ये तस्वीरें फैंस के दिल की धड़कने बढ़ा दी है श्वेता शर्मा ने इंस्टाग्राम पर अपनी हसीन तस्वीरें शेयर की है जिसमें वो अपनी हॉटनेस का तड़का लगाती नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं. एक्ट्रेस ने बिकिनी के साथ एक स्कार्फ भी कैरी किया है. जो उनके लुक को और खूबसूरत बना रही हैं. वहीं श्वेता ने अपने लुक को बालों में बन और न्यूड मेकअप के साथ पूरा किया है. फैंस उनकी कातिलाना अदाओं के दीवाने हो गए है. (आरएनएस)

अली अब्बास की फिल्म में फिर दिखेंगे सलमान खान

2017 में आई एक्शन थ्रिलर फिल्म टाइगर जिंदा है के लिए अली अब्बास जफर और सलमान खान ने हाथ मिलाया था। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। अब सुनने में आ रहा है कि ये दोनों फिर एक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। एक बड़े पैमाने पर बनने वाली फिल्म के लिए दोनों के बीच बातचीत चल रही है। उम्मीद है कि जल्द इस संबंध में आधिकारिक घोषणा होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, अली अब्बास और सलमान एक फिल्म के सिलसिले में बातचीत कर रहे हैं। एक सूत्र ने बताया, सलमान और अली अब्बास पिछले कुछ महीनों में कई प्रोजेक्ट्स पर चर्चा कर रहे थे और आखिरकार उन्होंने एक एक्शन फिल्म करने फैसला किया है। यह एक उम्दा एक्शन फिल्म है, जो काफी भावनात्मक होगी। फिल्म का विषय चुनौतीपूर्ण है और इसके लिए सलमान को ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना पड़ेगा।

यह सलमान के सुल्तान के मिजाज की फिल्म हो सकती है, जिसमें उन्होंने एक पहलवान की भूमिका निभाई थी। कहा जा रहा है कि सलमान ने फिल्म के लिए मौखिक तौर पर हामी भर दी है। कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले वह पूरी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे हैं। स्क्रिप्ट देखने और परखने के बाद ही वह फिल्म साइन करेंगे। फिल्म को बड़े बजट में बनाया जाएगा और इसके अधिकांश हिस्सों की शूटिंग विदेशों में होगी।

सूत्रों की मानें तो मेकर्स अगले साल जून में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म ईद के मौके पर 2024 में रिलीज होगी। अली अब्बास फिलहाल शाहिद कपूर की फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन में जुटे हैं। इसके साथ-साथ वह बड़े मियां छोटे मियां के प्री-प्रोडक्शन को पूरा करने में लगे हैं। इसमें अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे। दोनों प्रोजेक्ट के बाद अली अब्बास सलमान की फिल्म शुरू करेंगे।

अली अब्बास के घर खुशियों की किलकारी गूंजी है। वह एक बेटी के पिता बने हैं। अली अब्बास और उनकी पत्नी एलिसिया जफर के घर 24 सितंबर को नन्ही परी का आगमन हुआ है। फिल्ममेकर ने सोशल मीडिया पर यह खुशखबरी शेयर की है। (आरएनएस)

2025 में रिलीज हो सकती है ब्रह्मास्त्र 2

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की ब्रह्मास्त्र दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। इसका निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। फिल्म 9 सितंबर को बड़े पर्दे पर आई है। ब्रह्मास्त्र तीन भागों में दर्शकों के बीच आएगी। फिल्म के अंत में मेकर्स ने ब्रह्मास्त्र पार्ट 2: देव की घोषणा की थी। अब अयान ने ब्रह्मास्त्र 2 की रिलीज को लेकर अहम जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि फिल्म दिसंबर, 2025 में रिलीज हो सकती है।

अयान ने ब्रह्मास्त्र 2 की रिलीज डेट को लेकर खुलासा किया है। अयान ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म को 2025 में रिलीज करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया, हमारे पास अपना लक्ष्य है। हम इस फिल्म को बनाना चाहते हैं और अब से तीन साल बाद इसे रिलीज करना चाहते हैं। यह हमारे लिए एक कठिन शेड्यूल है, यह देखते हुए कि पार्ट वन ने कितना समय लिया।

अयान का कहना है कि ब्रह्मास्त्र 2 की स्क्रिप्ट लगभग पूरी हो गई है। उनकी मानें तो स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि फिल्म के पहले भाग पर काम शुरू करने के दौरान ही ब्रह्मास्त्र 2 की स्क्रिप्ट को लिखने का सिलसिला शुरू हो गया था। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन में लंबा वक्त लगेगा। फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी, इसको लेकर कुछ नहीं बताया गया है।

ब्रह्मास्त्र के दूसरे भाग में देव की भूमिका के लिए ऋतिक रोशन और रणवीर सिंह का नाम सामने आया था। हालांकि, अयान ने देव के किरदार को लेकर अपनी चुप्पी साध ली है। उन्होंने कहा था, मैं इस वक्त इस बात का खुलासा नहीं कर सकता कि फिल्म के दूसरे भाग में देव की भूमिका कौन निभाएगा। हां, मैंने सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा सुझाए हुए नाम पढ़े हैं, लेकिन अभी इस रहस्य से पर्दा उठाने में समय लगेगा।

रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के अगले भाग के लिए दीपिका पादुकोण को साइन कर लिया गया है। ऐसी चर्चा है कि अमृता की भूमिका के लिए दीपिका की जगह पक्की हो गई है।

सोनाक्षी सिन्हा ने अपने भाई के निर्देशन में बनी पहली फिल्म की शूटिंग की पूरी

आगामी थ्रिलर, निकिता रॉय एंड बुक ऑफ डार्कनेस की निर्धारित समय से पहले शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिल्म सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। इसमें अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नैय्यर के साथ सोनाक्षी सिन्हा भी हैं।

फिल्म का लंदन में 40 दिन का शेड्यूल था, लेकिन 35 दिनों के रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ। उन्होंने मुंबई में दो दिन के सीक्वेंस की शूटिंग भी की। इस पर टिप्पणी करते हुए, सोनाक्षी ने कहा, यह मेरे लिए एक शानदार और बहुत खास शूट था क्योंकि मुझे अपने भाई की पहली फिल्म में अभिनय करने का मौका मिला।

फिल्म के बेहतरीन कलाकारों ने मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। परेश जी के साथ काम करना और उनके साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना सम्मान की बात है। शूटिंग चुनौतीपूर्ण थी और इस प्रकार यह बहुत अधिक मनोरंजक थी।

इस यूनिट के साथ शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया।फिल्म में सोनाक्षी के सह-कलाकार, अर्जुन ने कहा, हालांकि यह मेरे लिए एक छोटा शूट था, लेकिन यह बहुत यादगार था। यह एक ऐसा अनोखा किरदार है जिसे कुश चाहते थे कि मैं निभाऊं।

एक कैमियो में इतनी सारी भावनाओं को प्राप्त करना एक चुनौती थी। लेकिन मुझे लगता है कि हमने ठीक से कर लिया।उन्होंने आगे कहा, सोनाक्षी के साथ मैंने पहली बार काम किया है, हमारे बीच अच्छी केमिस्ट्री है।

परेश रावल के साथ फिर से जुड़ना बिल्कुल आनंदमय था। लंदन का ग्रामीण इलाका हमेशा शांत रहता है, शूट करने के लिए आदर्श है। फिल्म को पूरा करने के लिए टीम को बधाई। स्क्रीन पर आने का इंतजार है। निकिता रॉय एंड बुक ऑफ डार्कनेस निक्की भगनानी, विक्की भगनानी और निक्की विक्की भगनानी फिल्म के अंकुर तकरानी, क्रेटोस एंटरटेनमेंट, निकिता पाई फिल्म्स की किंजल घोने और दिनेश गुप्ता द्वारा निर्मित है।निकिता रॉय एंड बुक ऑफ डार्कनेस के 2023 में रिलीज होने की उम्मीद है।(आरएनएस)

भारत में शोध और नवाचार

अजय दीक्षित

भारत प्रत्येक क्षेत्र में शोध और नवाचार (रिसर्च एवं इनोवेशन) का समर्थन करते हुए अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। वर्ष 2022 में भारत की अर्थव्यवस्था में 7.5 फीसदी वृद्धि करने की आशा है जो विश्व की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी। आज भारत में 700 से अधिक स्टार्टअप हैं, जिनमें 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। ऐसे में भारत शोध और नवाचार को और अधिक प्रोत्साहन देते हुए देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास को नई रफ्तार देने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। गौरतलब है कि सरकार पिछले सात-आठ वर्षों से भारत को अनुसंधान और नवाचार के लिए एक वैश्विक केन्द्र के रूप में लगातार समर्थन देते हुए दिखाई दे रही है। 2014 के बाद से विज्ञान और नवाचार पर निवेश बढ़ा है। यही कारण है कि भारत ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में इस समय 46वें स्थान पर है, जो 2015 में 81वें स्थान पर था। इस समय जब भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व कर रहा है तब भारत के विज्ञान और नवाचार की अहम भूमिका से विकास की आस पूरी होगी। सरकार ने देश को 25 वर्ष बाद 2047 तक विकसित देश बनाने के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के मद्देनजर शोध और नवाचार की भूमिका को अब अधिक अहम एवं प्रभावी बनाए जाने का संकेत दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले एक दशक में शोध, नवाचार और तकनीकी विकास के परिप्रेक्ष्य में भारत लगातार आगे बढ़ा है। शोध एवं नवाचार के कारण बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। नए वैश्विक ग्लोबल इंडेक्स के तहत भारत में कारोबारी विशेषज्ञता,

रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता और दिवालियापन की समस्या को हल करने में आसानी जैसे संकेतकों में अच्छे सुधार किए हैं। साथ ही भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था, घरेलू कारोबार में सरलता, स्टार्टअप, विदेशी निवेश जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। नि:संदेह कोविड- 19 भारत में नए चिकित्सकीय शोध और नवाचार को बढ़ावा देने का भी एक अवसर बना है। जब फरवरी मार्च 2020 में देश में कोरोना संक्रमण की पहली लहर शुरू हुई थी, तब देश में कोरोना की रोकथाम के लिए कोरोना वैक्सीन से संबंधित शोध और उत्पादन के विचार आने शुरू हुए थे। सामान्य तौर पर किसी बीमारी का टीका बनाने में कई वर्ष लगते हैं, लेकिन भारत में कोरोना वायरस की चुनौती के मद्देनजर कुछ महीनों के अन्दर, कोरोना का टीका बनाने का कठिन लक्ष्य पूरा किया गया। इतना ही नहीं देश में अगस्त 2022 तक 200 करोड़ से अधिक टीके लगाये जा चुके हैं। देश में कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने में भी कृषि सम्बन्धी शोध और नवाचार की प्रभावी भूमिका है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक देश में कृषि शोध से जुड़ी सौ से अधिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, 75 कृषि विश्वविद्यालयों और इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) के 20 हजार से अधिक वैज्ञानिकों के समर्पित शोध कार्य, प्री एंड पोस्ट हार्वेस्टिंग मैनेजमेंट, कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते निजी निवेश, 731 कृषि विज्ञान केंद्रों से मुफ्त बीजों का वितरण, सीड टेक्नोलाजी में फसलों की जीनोम एडिटिंग की अनुमति, कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दिये जाने से कृषि क्षेत्र में विकास का नया अध्याय तेजी से आगे बढ़ रहा है। जब हम इस प्रश्न पर विचार करते हैं कि भारत को विकसित देश बनाने के लिए शोध एवं नवाचार में कितना आगे बढ़ना होगा, तो हमारे सामने दुनिया के 38 विकसित देशों का आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) दिखाई देता है। इस समूह के सभी देशों ने अपने-अपने देश में आर्थिक विकास को ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए शोध और विकास (आरएंडडी) की भूमिका को प्रभावी बनाया है। इस समय यूरोपीय संघ में आरएंडडी पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 2 प्रतिशत, अमेरिका और जापान में करीब 3 फीसदी और दक्षिण कोरिया में करीब 4.5 फीसदी व्यय किया जाता है। जहां दुनिया को प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में आरएंडडी पर खर्च निरंतर तेजी से बढ़ा है, वहीं भारत में आरएंडडी पर करीब 0.67 प्रतिशत ही व्यय रहा है। यदि हम आरएंडडी की दृष्टि से देखें तो आज भारत उसी मुकाम पर खड़ा है, जहां 60-70 वर्ष पहले अमेरिका था। यह ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका ने आरएंडडी पर तेजी से अधिक खर्च करके सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, दवाओं, अंतरिक्ष अन्वेषण, ऊर्जा और अन्य तमाम क्षेत्रों में तेजी से आगे बढकर दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनने का अध्याय लिखा है। ऐसे में भारत को भी आर्थिक शक्ति और विकसित देश बनाने के लिए आरएंडडी की ऐसी सुविचारित रणनीति पर आगे बढ़ना होगा जिसके तहत सरकार, निजी क्षेत्र और शोध संस्थानों के बीच सहजीविता और समन्वय के सूत्र आगे बढ़ाए जा सकें। सरकार के द्वारा शोध एवं नवाचार को 7 भूमिका को प्रभावी बनाने के मद्देनजर आरएंडडी पर देश की कुल जीडीपी का कोई दो फीसदी तक खर्च किया जाना सुनिश्चित करना उपयुक्त होगा। इसके साथ ही आरएंडडी में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी भी बढ़ाई जानी होगी। आरएंडडी की राशि को केवल सरकारी शोध प्रयोगशालाओं तक ही सीमित न करके बुनियादी एवं अनुप्रयुक्त शोध के लिए व्यापक आधार तैयार करने पर भी खर्च किया जाना होगा।

सू- दोकू क्र.002

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.01 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

संकेत या एक घटना ?

भारत पश्चिम और रूस-चीन के खेमों में बढ़ते टकराव के बीच दोनों से लाभ उठाने की रणनीति पर चलता रहा है। अब तक ये रणनीति कारगर थी। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं।

भारत की एक पेट्रोकेमिकल कंपनी पर प्रतिबंध लगाने का अमेरिका के फैसले को संभवत: पश्चिमी देशों में भारत के प्रति बढ़ती बेसब्री का संकेत माना जाना चाहिए। अमेरिका ने ऐसा ही संकेत पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के 45 करोड़ डॉलर के पाट-पुर्जे देने की घोषणा करके भी दिया था। यही नहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस बारे में पूछे जाने पर भारत और पाकिस्तान दोनों को समान महत्त्व का मित्र देश बता दिया। ऐसा वर्षों बाद हुआ है, जब अमेरिका ने ऐसा रुख दिखाया है। हकीकत यह है कि यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत के तटस्थ रुख ने अमेरिका और पश्चिमी खेमे की गणनाएं बिगाड़ दीं। चीन के खिलाफ अपनी लामबंदी में अमेरिका ने भारत को मुख्य मोर्चा बनाने की रणनीति बनाई थी। लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद बनी नई भू-राजनीतिक पररिस्थितियों के बीच अब उसका इस रणनीति पर भरोसा नहीं रह गया है। जाहिर है, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल में जिस आक्रामक लहजे में पश्चिमी अपेक्षाओं के जवाब दिए हैं, वह भी अमेरिका और यूरोपीय राजधानियों में नागवार गुजरा होगा।

तो अब अमेरिका ने संकेत देना शुरू किया है। भारत की मुश्किल यह है कि वह पश्चिम और रूस-चीन के खेमों में बढ़ते टकराव के बीच दोनों से लाभ उठाने की रणनीति पर चल रहा है। कहा जा सकता है कि अब तक ये रणनीति कारगर थी। लेकिन यह तो आरंभ से तय था कि दो नावों पर एक साथ सवारी नहीं की जा सकती- खास कर वे नौकाएं अलग-अलग दिशाओं में जा रही हों। तो संभवत: अब वो वक्त आ गया है कि जब भारत को या तो इस रणनीति में असाधारण कौशल दिखाना होगा या उसे दोनों में से किसी एक खेमे को चुनना होगा। दरअसल, भारत को सबसे पहले इस भ्रम से उबरने की जरूरत है कि उसकी बड़ी अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि दुनिया की कोई ताकत उसकी उपेक्षा करके आगे नहीं बढ़ सकती। सामान्य समय में ऐसी धारणाओं को लेकर चला जा सकता है, लेकिन जब दुनिया स्पष्टत: दो खेमों में बंट रही हो, तो उस समय साफ नीति और ठोस रुख तय करना ही एकमात्र रास्ता होता है। (आरएनएस)

होसबोले के बोल होश उड़ाएँ

वेद प्रताप वैदिक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रय होसबोले ने भारत की आर्थिक स्थिति के बारे में जो बयान दिया है, उससे विरोधी दलों के नेता चाहे कितने ही खुश होते रहें लेकिन उसे सरकार-विरोधी नहीं कहा जा सकता है। वह वास्तव में सरकार को जगाए रखने की घंटी की तरह है। वास्तव में सरकारें अपनी पीठ खुद ही ठोकती रहती हैं और ज्यादातर अखबार और टीवी चैनल खरी-खरी बात लिखने और बोलने का साहस नहीं जुटा पाते हैं।

ऐसे में अगर संघ का उच्चाधिकारी कोई आलोचनात्मक टिप्पणी करता है तो वह कड़वी जरुर होती है लेकिन वह सच्ची दवा भी होती है। होसबोले ने यही तो कहा है कि देश में गरीबी और अमीरी के बीच खाई बढ़ती जा रही है। हमारी खबरपालिका यह तो प्रचारित करती रहती है कि देश के फलां सेठ दुनिया के अमीरों के कितने ऊँचे पायदान पर पहुँच गए हैं लेकिन वह यह नहीं बताती कि देश में अभी भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें भरपेट रोटी भी नहीं मिलती। वे बिना इलाज के ही दम तोड़ देते हैं।

लगभग डेढ़ सौ करोड़ के इस देश में कहा जाता है कि सिर्फ 20 करोड़ लोग ही गरीबी रेखा के नीचे हैं। सच्चाई क्या है? मुश्किल से 40 करोड़ लोग ही गरीबी के रेखा के ऊपर है। लगभग 100 करोड़ लोगों को क्या भोजन, वस्त्र, निवास, शिक्षा, चिकित्सा और मनोरंजन की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं? क्या वे हमारे विधायकों और सांसदों की तरह जीवन जीते हैं? जो हमारे प्रतिनिधि कहलाते हैं, वे किस बात में हमारे समान हैं?

वे हमारी तरह तो बिल्कुल नहीं रहते। सरकारी आकड़े बताते हैं कि देश में सिर्फ 4 करोड़ लोग बेरोजगार हैं। क्या यही असलियत है? रोजगार तो आजकल बड़े-बड़े उद्योगपतियों की कंपनियां दे रही हैं, क्योंकि वे जमकर मुनाफा सूंत रही है लेकिन छोटे उद्योगों और खेती की दशा क्या है?

सरकार सर्वत्र डंका पीटती रहती है कि उसे इस साल जीएसटी और अन्य टैक्सों में इतने लाख करोड़ रु. की कमाई ज्यादा हो गई है लेकिन उससे आप पूछें कि टैक्स देने लायक लोग याने मोटी कमाई वाले लोगों की संख्या देश में कितनी है?

10 प्रतिशत भी नहीं है। शेष जनता तो अपना गुजारा किसी तरह करती रहती है। सरकारी अफसरों, मंत्रियों और नेताओं के एक तरफ ठाठ-बाट देखिए और दूसरी तरफ मंहगाई से अधमरी हुई जनता की बदहाली देखिए तो आपको पता चलेगा कि देश का असली हाल क्या है? जनता के गुस्से और बेचैनी को काबू करने के लिए सभी सरकारें जो चूसनियां लटकाती रहती हैं, उनका स्वाद तो मीठा होता है लेकिन उनसे पेट कैसे भरेगा?

सपरिवार देहरादून नाईट मार्केट का आनंद लेते राजनैतिक व सामाजिक कार्यकर्ता अभिनव थापर।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के दौरान उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष करना माहरा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता धीरेन्द्र प्रताप व अन्य कांग्रेसी।

नेता जी की अस्थियां गंगा में ...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

पर रखा गया था। यहां उनका अस्थि कलश एक मंच पर रखा गया जहां उनके सैकड़ों समर्थकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा 40 मिनट तक चले कर्मकांड के बाद उनकी अस्थियों को गंगा में विसर्जित कर दिया गया। इस अवसर पर अखिलेश के साथ उनकी पत्नी तथा चाचा शिवपाल यादव सहित परिवार के 14-15 लोग मौजूद थे। इस दौरान घाट पर अन्य किसी का प्रवेश वर्जित रखा गया। उनके समर्थकों की भारी भीड़ के मद्देनजर हरिद्वार पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व हरिद्वार विधायक मदन कौशिक, किच्छा से विधायक राजेन्द्र शुक्ला व यतिश्वनानंद भी मौजूद रहे।

उत्कृष्ट राज्य बनाने पर सीएम ने राजदूतों से..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

कनेक्टिविटी का तेजी से प्रसार हो रहा है। उन्होंने राजदूतों को सुझाव दिया कि राज्य में विभिन्न उत्पादों की जानकारी, टूरिज्म, स्थानीय कल्चर एवं सांस्कृतिक विरासत से संबंधित जानकारी के लिए विभिन्न देशों से लोग उत्तराखण्ड आना चाहते हैं तो इसकी भी जानकारी दी जाय। देवभूमि उत्तराखण्ड में सबका स्वागत किया जायेगा और हर संभव सहयोग दिया जायेगा

इस अवसर पर विभिन्न देशों में कार्य कर रहे राजदूतों ने सुझाव दिया कि राज्य के पर्वतीय अंचल के उत्पादों एवं भोजन को राज्य की ओर से बढ़ावा दिया जाना चाहिए। राज्य के उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही उनकी मेनुफेक्चरिंग,ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग की अच्छी व्यवस्था हो। बैठक में सुझाव दिया गया कि उत्तराखंड को योग और वेलनेस टूरिज्म के रूप में वैश्विक स्तर पर तेजी से उभारा जा सकता है। उत्तराखंड योग की भूमि रही है। यहां से प्रशिक्षण लेकर विभिन्न देशों में लोग योग का प्रशिक्षण दे रहे हैं। अधिक से अधिक लोग राज्य में योग का प्रशिक्षण ले सकें, इसकी राज्य में अच्छी व्यवस्था की जा सकती है।

इस अवसर पर स्वीडन में भारत के राजदूत तन्मय लाल, तजाकिस्तान में भारत के राजदूत विराज सिंह, पनामा में भारत के राजदूत उपेन्द्र सिंह रावत, ब्रुनेई में भारत के राजदूत आलोक अमिताभ, केन्या में भारत की राजदूत सुश्री नामग्या खम्पा, स्लोबानिया में भारत की राजदूत श्रीमती नम्रता एस कुमार, अल्जीरिया में भारत के राजदूत गौरव अहलूवालिया, सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय एवं अपर सचिव नितिन भदौरिया उपस्थित थे।

पूर्व के चयनित वेंडिंग जोन से लघु व्यापारियों को हटाया जाना दुर्भाग्यपूर्णः चोपड़ा

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसो. के पदाधिकारियों की एक बैठक चंडी घाट मार्ग, बेल वाला स्थित न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन प्रांगण में आहूत की गई। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा 16 विभागों को साथ लेकर 40% रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के संगठनों को साथ लेकर फेरी समिति का गठन किया जा चुका है शहरी क्षेत्र में अतिक्रमण अभियान हटाओ के दौरान रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारी प्रभावित ना हो उससे पहले फेरी समिति की बैठक आहूत कर अतिक्रमण के स्थान चिन्हित किए जाने चाहिए थे लेकिन उत्तराखंड शासन द्वारा जारी शासन आदेश का उल्लंघन करते हुए पूर्व के चयनित वेंडिंग जोन से लघु व्यापारियों को हटाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा एक तरफ तो नगर निगम प्रशासन द्वारा वेंडिंग जोन में लघु व्यापारियों को व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की कार्रवाई प्रचलन में है वहीं उनको उनके कारोबारी स्थानों से हटाया जा रहा है जोकि न्याय संगत नहीं है। संजय चोपड़ा ने यह भी कहा पहले 15 वेंडिंग जोन जो चिन्हित किए गए हैं उनमें बाजार बसाने का कार्य लक्ष्य पूर्ति के साथ नगर निगम प्रशासन की और से किया जाना चाहिए ताकि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली का क्रियान्वयन इच्छाशक्ति के साथ हो सके।

लघु व्यापार एसो. की कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेश महामंत्री मनोज मंडल, पिंक वेंडिंग जोन की अध्यक्ष पूनम माखन, नम्रता सरकार, कामिनी मिश्रा, सुनीता चौहान, तस्लीम अहमद, जय भगवान, कुमारपाल, जय सिंह बिष्ट, विजेंद्र कुमार, नईम सलमानी, आजम अंसारी, चंदन सिंह रावत, सचिन बिष्ट, प्रभात, मोहनलाल, यामीन अंसारी, विजय गुप्ता, लाल चंद गुप्ता, भोला यादव, चंदन राणा, ओमप्रकाश भाटिया, मनीष शर्मा, सचिन राजपूत आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

श्रीमहंत इंदिरेश अस्पताल का दंत रोग विभाग जनसेवा में समर्पित

संवाददाता

देहरादून। श्रीमहंत इन्दिरेश अस्पताल में निनिर्मित दंत रोग विभाग जनता के लिए पूरी तरह से तैयार हो गया है।

आज यहां श्री महंत इंदिरेश अस्पताल का नवनिर्मित दंत रोग विभाग आमजन की सेवा के लिय पूरी तरह तैयार है। श्री महंत इंदिरेश अस्पताल में दंत रोग विभाग वर्ष 2002 से संचालित है, लेकिन अब यह विभाग नए कलेवर में सभी अल्ट्रा मॉडर्न मशीनों व मॉडर्न तकनीकों के साथ अपडेट कर जनसेवा के लिय समर्पित कर दिया गया है। मरीजों को नए दंत रोग विभाग की सेवाओं का लाभ मिलने लगा है। श्री महंत इंदिरेश अस्पताल के चेयरमैन श्रीमहंत देवेंद्र दास महाराज ने दंत रोग विभाग की पूरी टीम को बधाई दी।

श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज के प्राचार्य डॉ यशबीर दीवान ने अस्पताल के नए दंत रोग विभाग विंग का शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉक्टर यशबीर दीवान ने कहा कि दंत रोग विभाग को सभी मॉर्डन आवश्यकताओं के अनुकूल तैयार किया गया है। अस्पताल में आने वाले मरीजों को आधुनिक मशीनों व कुशल दंत चिकित्सकों की टीम की देखरेख में सभी प्रकार के दंत प्रोसीजर मरीजों को उपलब्ध होंगे। श्री महंत इंदिरेश अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ अजय पंडिता ने कहा मेडिकल सेवाओं के अन्तर्गत अन्य विभागों की भांति दंत रोग चिकित्सा में भी कई मॉर्डन तकनीकें आ चुकी हैं, जो श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के दंत रोग विभाग में उपलब्ध हैं।

विज्ञान भारत की संस्कृति में हैः ऋतु खंडूडी

संवाददाता

कोटद्वार। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि विज्ञान भारत की संस्कृति में है, हरित क्रांति से लेकर अंतरिक्ष कार्यक्रम तक सब विज्ञान की ही देन है।

आज यहां समग्र शिक्षा अभियान एवं एससीईआरटी के संयुक्त तत्वावधन में आयोजित जनपदीय विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने छात्र-छात्राओं द्वारा बनाये गए विज्ञान एवं गणितीय मॉडल का निरीक्षण करते हुए बच्चों से जानकारी ली एवं उनका उत्साहवर्धन किया। आदर्श विद्यालय राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार के परिसर में आयोजित जनपदीय विज्ञान महोत्सव के अंतर्गत विज्ञान ड्रामा, विज्ञान मेला और विज्ञान प्रदर्शनी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने नाटकों व पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुतियां देकर अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन कियाद्य इस एक दिवसीय महोत्सव के दौरान जनपद पौड़ी के 15 विकासखंड खंडो के 800 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विज्ञान प्रतियोगिता का खास मकसद बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है जिसमें प्रत्येक दिन नवाचार हो रहे हैं। आज के युग में यदि हमें आगे बढ़ना है तो नए-नए नवाचारों को एवं अविष्कारों को करना होगा जो कि विज्ञान से ही संभव है। आज घर हो अथवा बाहर प्रत्येक वस्तु जिसका हम प्रयोग कर रहे हैं विज्ञान की तकनीकी पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हो रही प्रगति के बल पर दुनिया में अग्रणी देश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विज्ञान भारत की संस्कृति में है, हरित क्रांति से लेकर अंतरिक्ष कार्यक्रम तक सब विज्ञान की ही देन है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है जरूरत है तो सिर्फ इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की। उत्तराखंड के छात्र छात्राओं ने विज्ञान के क्षेत्र में विश्व पटल पर अपना नाम अंकित किया है।

एक नजर

सीए के पास से 8.15 करोड़ रु. नकद बरामद, दो बैंक खातों में जमा है 20 करोड़ रुपये

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट के पास से 8.15 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए हैं। जासूसी विभाग की एंटी बैंक फ्रॉड सेक्शन ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की कार से दो करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की। इसके बाद कोलकाता पुलिस ने सीए शैलेष पांडेय के हावड़ा के शिवपुर स्थित आवास पर छापेमारी की। आवास पर छापेमारी के दौरान 5.

95 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। कोलकाता पुलिस ने शैलेष और उसके भाई अरविंद पांडेय के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी कर दिया है। सीए शैलेष पांडेय के दो बैंक खातों में भी 20 करोड़ रुपये जमा थे। इन खातों को भी सीज करने की कार्रवाई की जा रही है। कोलकाता पुलिस शैलेष पांडेय की तलाश में जुटी है। वह फरार बताया जा रहा है।

कोलकाता पुलिस के जासूसी विभाग की एंटी बैंक फ्रॉड सेक्शन ने 15 अक्टूबर की आधी रात को हावड़ा में छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान 2 करोड़ 20 लाख 50 हजार रुपये नकद बरामद हुए। ये बरामदगी एक कार से हुई। इसके बाद पुलिस हावड़ा के शिवपुर स्थित शैलेष पांडेय के फ्लैट पर पहुंची। भारी मात्रा में नकदी के साथ ही हीरे, सोने-चांदी के जेवर भी मिले। कोलकाता पुलिस ने शैलेष पांडेय की कार और आवास से 8.15 करोड़ रुपये नकद और जेवर जब्त किए हैं। पुलिस अब मुख्य आरोपी शैलेष पांडेय की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। सूत्रों की मानें तो कोलकाता पुलिस ने ये कार्रवाई केनरा बैंक की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की। सूत्रों का दावा है कि केनरा बैंक के एक खाते में संदिग्ध लेनदेन देख बैंक प्रशासन ने इस पर नजर रखनी शुरू की।

धार्मिक शिक्षा ग्रहण करने आई नाबालिग से मस्जिद में दुष्कर्म, मौलवी गिरफ्तार

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में पुलिस ने एक मस्जिद में 15 वर्षीय नाबालिग के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने के आरोप में एक मौलवी को गिरफ्तार किया है।

घटना कुछ दिन पहले की है जब नाबालिग युवती धार्मिक शिक्षा के लिए अमरोहा की मस्जिद में गई थी। पीड़िता के पिता की शिकायत पर मौलवी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर पी.के. चौहान ने कहा, ष्आरोपी मौलवी की पहचान अब्दुल कादिर के रूप में हुई है, जिसे जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा और सोमवार को जेल भेज दिया जाएगा।

महिला बैंक मैनेजर की बहादुरी से लूटने से बचा बैंक

श्रीगंगानगर । लूट के इरादे से बैंक में घुसे बदमाश से महिला बैंक मैनेजर ने डटकर सामना किया है। वहीं अपनी होशियारी और हिम्मत से बैंक के 30 लाख रुपये लूटने से बचा लिए। यह मामला राजस्थान के श्रीगंगानगर के ग्रामीण मरुधरा बैंक का है। वहीं अब लोग महिला बैंक मैनेजर की साहस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि यह मामला जवाहरनगर के इंद्रावटिका इलाके का है।

आरोपी 29 वर्षीय लवीश अरोड़ा लूट के इरादे से बदमाश राजस्थान ग्रामीण मरुधरा बैंक में घुसा था। आरोपी की हरकत से बैंक में हड़कंप मच गया। दशहत के माहौल में महिला बैंक मैनेजर ने हिम्मत दिखाई और बदमाश को ऐसा सबक सिखाया, जिसे वह हमेशा याद रखेगा। बताया कि जैसे ही एक बदमाश उनके पास चाकू दिखाकर आया, उन्होंने टेबल पर पड़ी कैंची से उस पर हमला कर दिया।बदमाश हड़बड़ा गया और बैंक के अन्य कर्मचारियों ने उसे धर दबोचा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी लविश को गिरफ्तार कर लिया। बदमाश की ये हरकत बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरा में भी कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। लोग महिला बैंक मैनेजर के साहस की खूब सराहना कर रहे हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

नए कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव को मतदान

विशेष संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन? मल्लिकार्जुन खडके या फिर शशि थरूर। इसका फैसला करने के लिए आज मतदान हो रहा है। इस चुनाव को देश भर में 65 मतदान केंद्रों पर वोट डाले जा रहे हैं जिसमें कुल 9000 डेली वोट्स अपने मताधिकार के जरिए फैसला करेंगे। उत्तराखंड की राजधानी दून में आज सुबह 10 बजे से मतदान जारी है जो शाम 5 बजे तक चलेगा।

उत्तराखंड कांग्रेस में इस मतदान में हिस्सा लेने के लिए 225 ही अधिकृत है। कांग्रेस मुख्यालय (राजीव भवन) में बनाए गए मतदान केंद्र पर नए अध्यक्ष के मतदान की प्रक्रिया जारी है। जो मतदाता देहरादून में नहीं है वह अन्य दूसरे मतदान केंद्रों पर अपना वोट डाल सकते हैं।

❑खड़गे या फिर थरूर होंगे कांग्रेस के खेवनहार, फैसला 19 को

समाचार लिखे जाने तक (तीन बजे) तक अधिकांश मतदाताओं द्वारा अपना वोट डाला जा चुका था। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा पूरे समय कांग्रेस भवन में मौजूद रहे।

यहां यह उल्लेखनीय है कि 173 साल पुरानी इस कांग्रेस पार्टी में पार्टी के मुखिया पद के लिए होने वाला यह छटा चुनाव है आमतौर पर अब तक गांधी परिवार का ही कोई न कोई सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष बना रहा है। इससे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सन 2000 में चुनाव हुआ था जिसमें सोनिया गांधी जितेंद्र प्रसाद को हराकर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव में देश भर से समितियों के लगभग 9000 सदस्य मतदान के लिए डेली गेटस सदस्य हैं जो अपने मताधिकार के जरिए कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला करेंगे। देशभर में मतदान के लिए 65 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चुनाव के नतीजे 19 अक्टूबर को आएंगे।

अध्यक्ष पद पर बने रहने से राहुल गांधी के इनकार करने के बाद पैदा हुई चुनाव की स्थिति में मलिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर द्वारा अपना नामांकन कराया गया था। इस चुनाव का महत्व इसलिए अधिक हो गया है क्योंकि भाजपा द्वारा कांग्रेस पर एक परिवार की पार्टी होने का आरोप लगाया जाता रहा है इस चुनाव के बाद कांग्रेस को गांधी परिवार से इतर नया पार्टी अध्यक्ष मिलेगा।

क्षेत्र का ही रहने वाला है डकैती कांड का साजिशकर्ता!

हमारे संवाददाता

देहरादून। डोईवाला में हुई डकैती की वारदात एक शातिर द्वारा करवाई गयी। उक्त शातिर व्यक्ति पूर्व में पीड़ित परिवार के घर निर्माण कार्य के दौरान कार्य कर चुका है। जिसे परिवार के लोगों की पूरी जानकारी है।

बीते शनिवार दोपहर को डोईवाला के व्यापारी शीशपाल अग्रवाल के घर सशस्त्र बदमाशो ने डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। जिस तरह घर मे वारदात हुई उससे साफ था कि घटना का सूत्रधार को घर के बारे में पूरी जानकारी थी।

सूत्रों का कहना है कि डकैती की योजना बनाने वाला व्यक्ति क्षेत्र का ही रहने वाला है जो अभी फरार है। बहरहाल पुलिस के आलाधिकारियों का कहना है कि कई अहम सुराग हाथ लगे है। घटना का जल्द खुलासा कर दिया जायेगा।

मोटरसाईकिल सवारों ने उड़ाई तेल की पेटी

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवारों ने टैम्पों से तेल की पेटी चोरी कर ली और वहां से फरार हो गये। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्खीबाग निवासी राजेश सिंघल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सिंगल मण्डी में उसको गोदाम है। उसने बताया कि उसके गोदाम के बाहर तेल से भरा टैम्पो खडा था तभी मोटरसाईकिल सवार दो युवक वहां पर आये और टैम्पो से तेल की एक पेटी उठाकर मोटरसाईकिल पर रखी और वहां से फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चरस तस्करी में देहरादून के दो लोग गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दो देहरादून के दो नशा तस्करों को दबोच कर उनके पास से भारी मात्रा में चरस बरामद की है।जानकारी के अनुसार बीती शाम एसओजी व थाना मोरी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतु आ रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी व थाना मोरी पुलिस ने संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान संयुक्त टीम को मोरी-नेटवाड रोड, कुनारा जाने वाले मार्ग के पास एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो कार सवार दो लोग भागने का प्रयास करने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने उनक`पास से 1 किलो 100 ग्राम चरस बरामद की। पूछताछ में उन्होने अपना नाम सिद्धार्थ थापा पुत्र कमल थापर निवासी जाखन देहरादून व निर्मल पैन्यूली पुत्र गीताराम पैन्यूली निवासी शिवाजी इन्क्लेव जैन प्लाट रायपुर रोड देहरादून बताया। बताया कि वह यहां से चरस खरीद कर देहरादून मे बेचते है जिससे उनको अच्छा मुनाफा मिलता है। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दो मोबाइल लुटेरे गिरफ्तार

हरिद्वार (हसं)। मोबाइल लूट मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लुटेरों को लूटे गये मोबाइल व लूट में प्रयुक्त स्कूटी सहित गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीते शनिवार को पुष्पेन्द्र कुमार पुत्र जयपाल निवासी सिडकुल हरिद्वार द्वारा थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया गया था कि स्कूटी सवार दो अज्ञात लुटेरों द्वारा उनका मोबाइल लूट लिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर लुटरों की तलाश शुरू कर दी गयी। मोबाइल लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को देर रात सूचना मिली कि उक्त मोबाइल लूट में शामिल लुटेरे क्षेत्र में देखे गये है। सूचना का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान एल्पस कालोनी रोशनाबाद से उक्त लुटेरों को लूटे गये मोबाइल व लूट में प्रयुक्त स्कूटी सहित गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम साजन उर्फ गुड्डू पुत्र सोमपाल व दीपक पुत्र छतलू निवासी बड़ी आन्नेकी सिडकुल बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।